डॉ० राजेन्द्र प्रसाद खजूरिया
Dr. Rajendra Prasad Khajuria
निदेशक
Director

सत्यमेव जयते

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी
Indira Gandhi National Forest Academy
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Ministry of Environment, Forest & Climate Change
भारत सरकार / Government of India
न्यू फॉरेस्ट, देहरादून / New Forest, Dehradun – 248006

:: संदेश ::

'हिन्दी दिवस-2026' के शुभावसर पर संपूर्ण अकादमी परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ।

14 सितंबर हमारे लिए गौरव का दिन है। इसी दिन, वर्ष 1949 में, संविधान सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। हिन्दी हमारे देश की भाषाई विविधता के बीच संवाद और संपर्क का एक सशक्त माध्यम है। कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग हमारी राजभाषा नीति के प्रति प्रतिबद्धता के साथ-साथ हमारे संवैधानिक दायित्व और नैतिक जिम्मेदारी का भी परिचायक है।

अकादमी में **14 से 29 सितंबर, 2026** तक ***हिन्दी पखवाड़ा*** मनाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न वर्गों में हिन्दी प्रतियोगिताएँ आयोजित होने जा रही हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि इन आयोजनों में पूरे उत्साह और सक्रियता के साथ भाग लें तथा अपनी प्रतिभा और सृजनात्मकता को हिन्दी के माध्यम से अभिव्यक्त करें।

आज हिन्दी का दायरा निरंतर विस्तृत हो रहा है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में भी हिन्दी के प्रयोग और स्वीकार्यता में निरंतर वृद्धि हो रही है। डिजिटल माध्यमों और आधुनिक तकनीकी संसाधनों ने हिन्दी में कार्य करना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सहज बना दिया है। हमारे कार्यालय में भी सभी कंप्यूटरों पर हिन्दी में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है। अतः हिन्दी में कार्य करने के लिए आवश्यक तकनीकी सुविधा हमारे पास पहले से मौजूद है; आवश्यकता केवल उसके नियमित और प्रभावी उपयोग की है।

यह भी स्मरण रखना आवश्यक है कि भारत की भाषाई विविधता हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है और हमें सभी भारतीय भाषाओं का समान रूप से सम्मान करना चाहिए। हिन्दी का प्रोत्साहन अन्य भाषाओं के प्रति सम्मान और सद्भाव के साथ ही सार्थक हो सकता है। इसलिए जहां तक संभव हो विभिन्न भाषाओं के प्रचलित शब्दों को कार्यालयी भाषा में शामिल किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर मैं सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि हिन्दी पखवाड़े के दौरान अपने कार्य का शत-प्रतिशत निष्पादन हिन्दी में करने का संकल्प लें। कार्यालयीन टिप्पणियों, पत्राचार, मसौदों, प्रतिवेदनों, अभिलेखों तथा अन्य कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को प्राथमिकता दें। साथ ही, कार्यालय द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें और अपने सहकर्मियों तथा अधीनस्थ कार्मिकों को भी इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करें। मेरा विश्वास है कि हिन्दी पखवाड़ा केवल एक वार्षिक आयोजन न होकर सरकारी कार्यों में हिन्दी के सहज, स्वाभाविक और निरंतर प्रयोग की दिशा में हमारे सामूहिक संकल्प का अवसर बनेगा।

आइए, इस हिन्दी पखवाड़े पर हम सभी मिलकर संकल्प लें कि हम हिन्दी में कार्य करेंगे, हिन्दी को सम्मान देंगे और कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक प्रभावी बनाएँगे।

जय हिन्द !

देहरादून
14 सितंबर, 2026

(डॉ० राजेन्द्र प्रसाद खजूरिया)

दूरभाष – 0135-2754647 (कार्या.), 0135-2757314 (फैक्स)